Tuesday

Le.no-11

Date: 17/08/2021
Page No.:

विशेषण तथा विशेषण के भेद

* विशेषण की परिभाषा:- जो शब्द संज्ञा, सर्वनाम शब्दों के गुण, संख्या परिभाषा/मात्रा आदि से संबंधित विशेषताओं के बारे में बताते हैं, विशेषण कहलाते हैं।

विशेषण के भेद

विशेषण
- गुणवाचक
- संख्यावाचक
- परिमाणवाचक
- सार्वनामिक

1) गुणवाचक विशेषण :- जिन विशेषण शब्दों से संज्ञा या सर्वनाम शब्दों के गुण-दोष, रूप-रंग, आकार-प्रकार, स्वभाव, दशा, अवस्था आदि गुणों का पता चलता है, वें शब्द गुणवाचक विशेषण कहलाते है।

1) अच्छा बच्चा 2) पुराना घर
3) गरीब लोग 4) ग्रामीण रुपये

2) संख्यावाचक विशेषण :- जिन विशेषण शब्दों से संज्ञा या सर्वनाम की संख्या का पता चलता है, संख्यावाचक विशेषण कहलाते है।

1) चार लोग 2) कई साल
3) पहली तारीख 4) बहुत रुपये

Date : 17/08/2021
Page No. :

* → संख्यावाचक विशेषण :-

1) निश्चित वाचक संख्या विशेषण
2) अनिश्चित संख्या विशेषण

उदा :- मेरे पास तीस रूपये है। उदा. मैने बहुत केले खरीदे।

3) परिमाणवाचक विशेषण :- जिन विशेषण शब्दों से संज्ञा शब्दों की मात्रा या परिणाम के बारे मे पता चलता है, वे, परिणामवाचक विशेषण कहलाते है।

उदा :- तीन लीटर दुध ढेर सारा सामान
डेढ मीटर कपडा कम चीनी

निश्चय परिणामवाचक विशेषण अनिश्चित परिणामवाचक विशेषण

1) मुझे तीन किलो चिनी चाहिए।
2) कल मैने बहुत काम किया।

4) सार्वनामिक विशेषण :- भाषा में कभी-कभी सर्वनाम शब्द वाक्य में प्रयुक्त होकर संज्ञा शब्दों की विशेषता बताने का कार्य करने लगते है, तब वे सर्वनाम नहीं कहे जाते, बल्कि प्रकार्य के आधार पर विशेषण बन जाते है।

उदा :- मेरी बहन कल शिमला जा रही है।
आपका घर किस तरफ है?